छोटे गधे ने

मदद करना सीखी

छोटे गधे ने

मदद करना सीखी

छोटा गधा एक दोस्ताना किस्म का जानवर था. उसे दिन भर खेतों में खेलना, तितलियों का पीछा करना और धूप में देर तक झपकी लेना पसंद था. वो एक बहुत ही खुशमिज़ाज़ गधा था. उसने हमेशा वही किया जिसने उसे खुश किया. यह बातें कभी-कभी उसके दोस्तों को परेशान भी करती थीं.

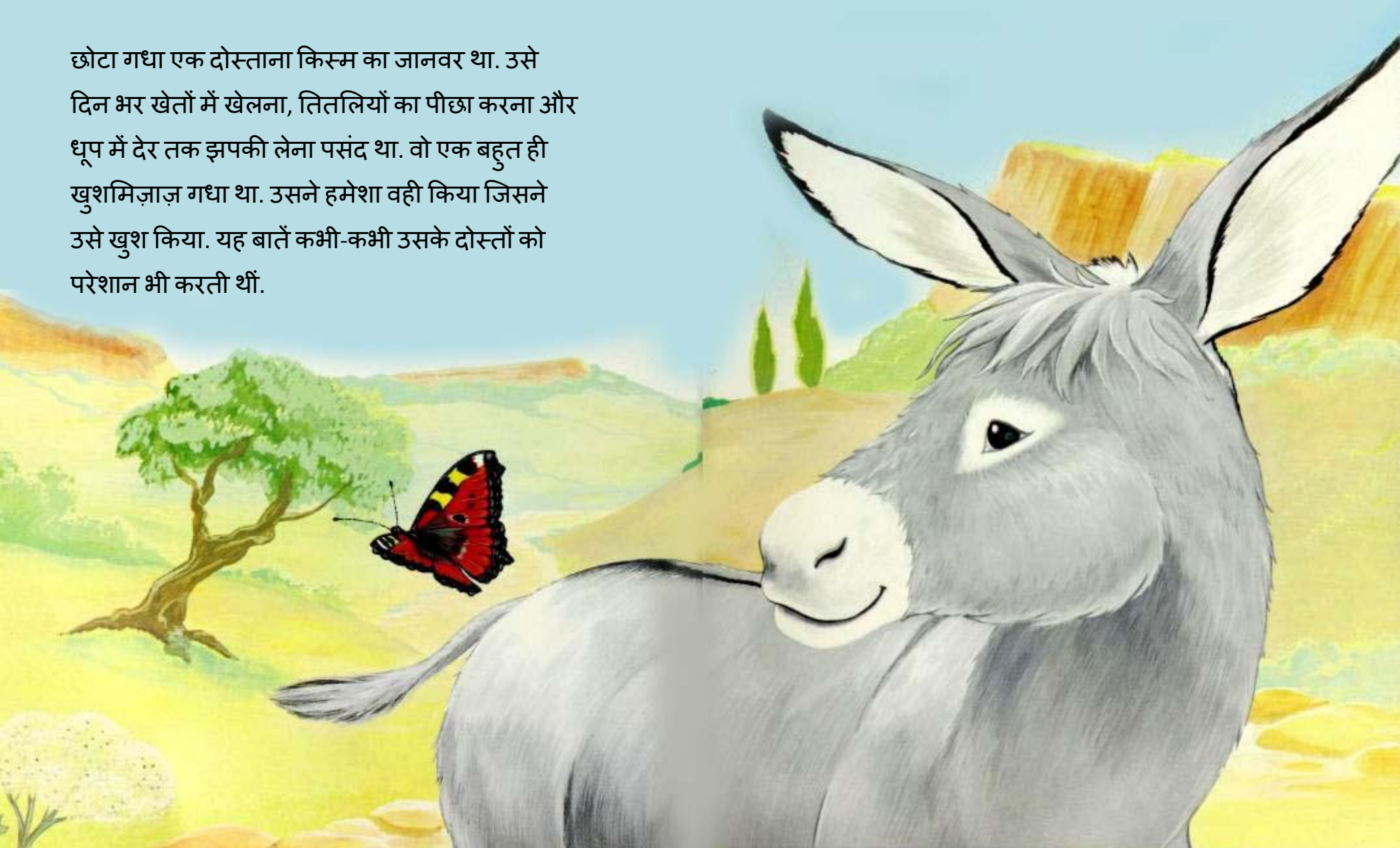

एक रात जब छोटा गधा बिस्तर पर लेटने की तैयारी कर रहा था, तो उसकी दोस्त भेड़ ने उससे पूछा, "छोटे गधे, क्या तुम मुझे एक छोटा सा गाना सुनाओगे? मेरा आज का दिन बहुत व्यस्त था और अब मुझे नींद नहीं आ रही है. मुझे पता है कि तुम अच्छा गाते हो. तुम्हारे खूबसूरत गाने से मुझे सोने में मदद मिलेगी.”

भेड़ की बात सुनकर छोटा गधा सिर्फ हंसा. "ढेंचू! ढेंचू!!" वो चिल्लाया. "तुम्हारे लिए एक गाना गाऊँ! बिल्कुल नहीं! आज रात मैं खुद के लिए गाऊंगा." और फिर वो खुद गाना गाता हुआ खलिहान में दूसरी ओर चला गया. "देखो कितना स्वार्थी है वो छोटा गधा!" भेड़ ने कहा और उसके बाद वो पुआल पर लेट गई.

अगले दिन, छोटा गधा बगीचे में टहल रहा था
जब उसने अपने दोस्त खरगोश को देखा.
"छोटे गधे, मैं काफी समय से दोपहर का भोजन खोजने की कोशिश कर रहा हूँ, पर ऐसा लगता है जैसे कि बगीचे की सभी गाजरें ख़त्म हो गई हैं. क्या तुम अपने दोपहर के खाने में से कुछ मुझे दोगे?" खरगोश ने पूछा. "मैं बहुत भूखा हूँ."
"ढेंचू! ढेंचू!!" छोटा गधा हँसा. "मैं दोपहर का भोजन तुम से क्यों साझा करूँ? मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करूंगा! फिर मेरे खाने के लिए क्या बचेगा! नहीं, मैं अपना खाना खुद खाऊंगा."
"देखो कितना स्वार्थी है वो छोटा गधा!" खरगोश ने कहा.
उसके बाद खरगोश दूर चला गया.

दोपहर के भोजन के बाद, छोटा गधा झपकी लेने के लिए पास के खेत में गया. इससे पहले कि वह लेट पाता, उसने कछुए की आवाज़ सुनी.

"छोटे गधे, क्या तुम मेरा घर ले जाने में मेरी मदद करोगे? मेरे लिए तालाब तक इस घर को ले जाना बहुत मुश्किल है."

"ढेंचू! ढेंचू!!" छोटे गधे ने कहा. "तुम अपना घर खुद उठाओ. मुझे अभी बहुत नींद आ रही है." और फिर छोटा गधा लेट गया और उसने अपनी आँखें बंद कर लीं.

"देखो कितना स्वार्थी है वो छोटा गधा!" कछुए ने कहा और फिर वो धीरे-धीरे वहां से दूर चला गया.

बाद में, किसान ने छोटे गधे की पीठ पर लकड़ियों का गट्ठा लोड किया. छोटे गधे को घर तक उस भारी भार बोझ को उठाकर ले जाना था. वो अभी कुछ ही दूर गया था जब उसे अपनी दोस्त भेड़ दिखाई दी.

"भेड़, क्या तुम मेरे लिए गाना गाओगी?" छोटे गधे ने पूछा. "इस भारी बोझ को ढोते हुए मैं एक हंसमुख धुन सुनना चाहता हूँ."

"मैं तुम्हारे लिए गाना गाऊं?" भेड़ ने कहा. "मुझे याद है कि कल रात जब मैंने तुम से सोते समय गाने के लिए कहा था तब तुम मुझ पर हँसे थे!" फिर भेड़ ने आगे कहा, "आज मैं खुद अपने लिए गाऊँगी."

छोटे गधे को कहने को कुछ भी नहीं था, क्योंकि वो जानता था कि भेड़ सच कह रही थी. छोटा गधा उदास होकर अपने रास्ते चलता रहा.

कुछ आगे जाकर छोटे गधे ने खरगोश को कुछ घास खाते हुए देखा.
"खरगोश, क्या तुम दोपहर के अपने खाने में से कुछ मुझे दोगे?"
उसने पूछा. "इस भारी लकड़ी के बोझ को ढोने से मुझे भूख लगी है."
"मैं अपना दोपहर का भोजन तुम्हारे साथ क्यों साझा करूं?"
खरगोश ने कहा. "नहीं! मैं बिल्कुल नहीं करूंगा! मै खुद ही पूरा खाना खाऊंगा!"

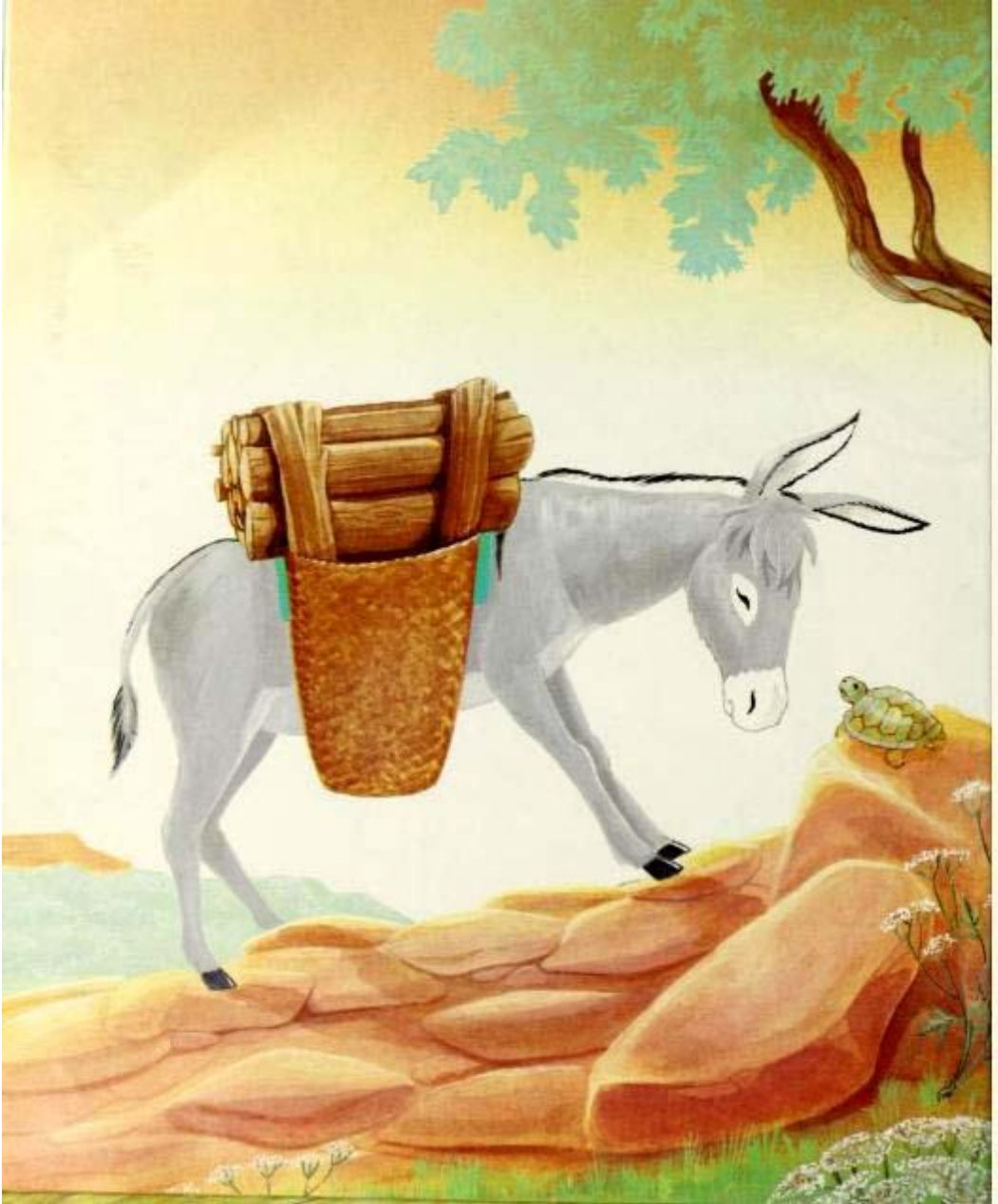

यह सुनकर छोटे गधे का मन रोने को करा. कोई भी उसकी मदद करने को तैयार नहीं था, और अब छोटा गधा बहुत थका हुआ था, और वो बहुत भूखा भी था.

आखिर में जब जब छोटे गधा घर पहुंचा, तो उसने कछुए को देखा.

"कछुए!" उसने कहा. "क्या इस भारी लकड़ी के बोझ को उतारने में तुम मेरी मदद करोगे? मुझे यह नहीं पता कि किसान यहां कब आएगा, और मेरी पीठ बहुत दुःख रही है."

"मैं लकड़ियां उतारने में तुम्हारी मदद बिल्कुल नहीं करूंगा?" कछुए ने कहा. "बिल्कुल नहीं! तुम देखो, मुझे नींद आ रही है." और यह कहते हुए कछुआ वहां से दूर चला गया.

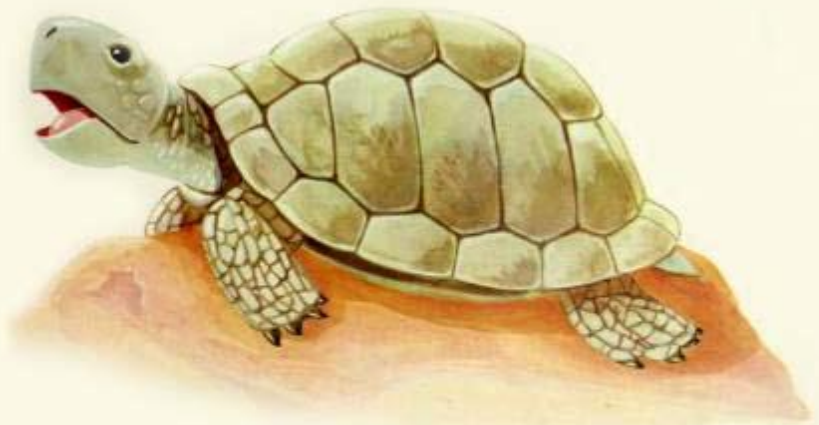

छोटा गधा इंतजार करता रहा. किसान बहुत देर बाद आया और फिर उसने लकड़ी के बोझ को उतारा. लेकिन किसान इतनी जल्दी में था कि वो छोटे गधे के लिए रात का खाना लाना भूल गया था.

"वो किसान सिर्फ अपने बारे में ही सोचता है!" छोटे गधे ने कहा. "और अब मेरे पास रात के खाने के लिए कुछ भी नहीं है. मुझे भूखे ही सोना पड़ेगा!"

धीरे-धीरे छोटे गधे को इस बात का एहसास हुआ कि उसने अपने सभी दोस्तों के साथ कितना स्वार्थी व्यवहार किया था. यह सोचकर वो रोने लगा.

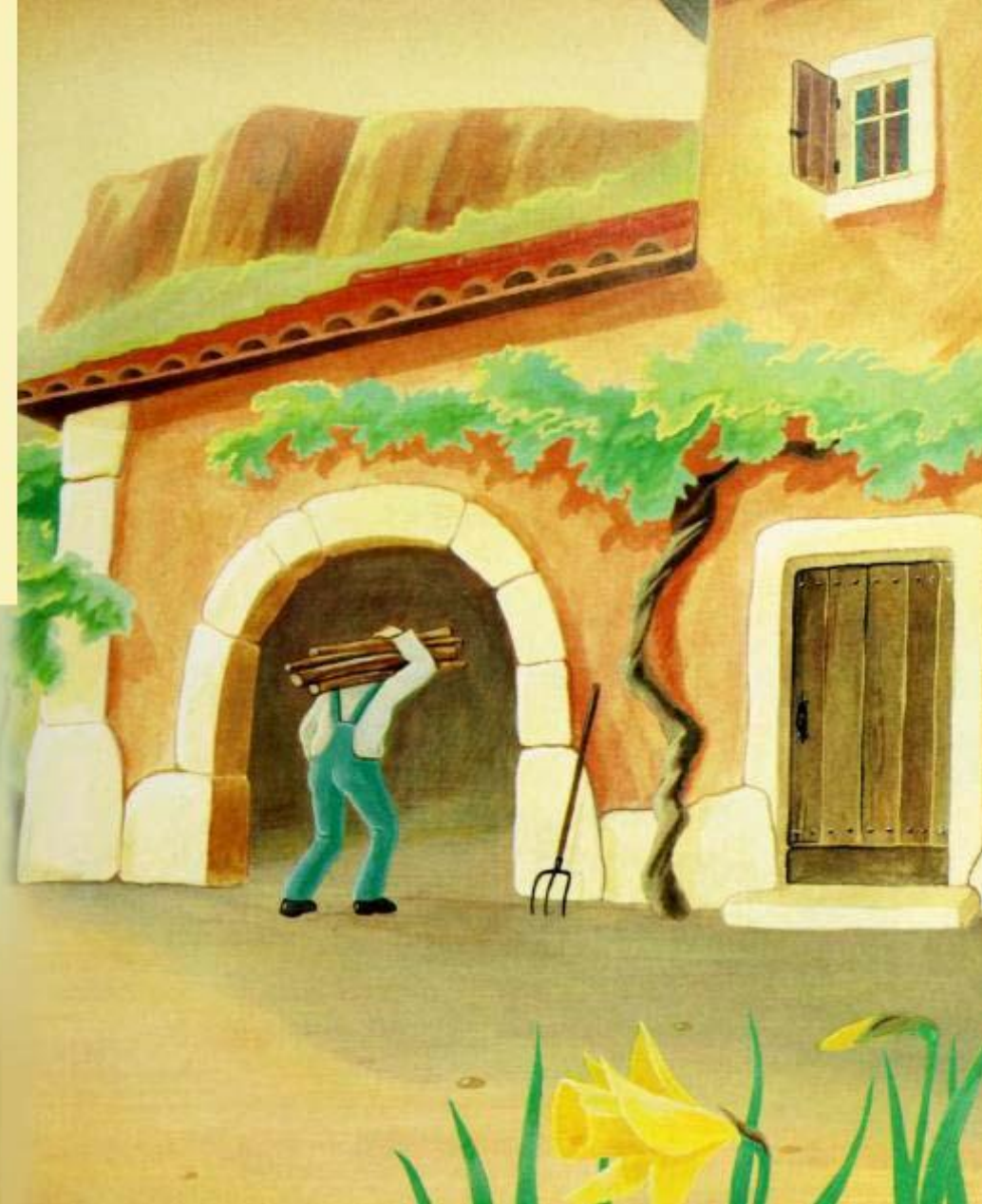

भेड़, खरगोश, और कछुए ने छोटे गधे को रोते हुए सुना. वे उसे खलिहान में ले गए, जहाँ भेड़ ने उसके लिए एक मधुर गीत गाया, खरगोश ने उसे खाना खिलाया और कछुए ने उसके लिए पुआल का नरम बिस्तर बनाया.

"मैं आप सभी का कैसे शुक्रिया अदा करूं," छोटे गधे ने कहा. "कृपा कर स्वार्थी होने के लिए मुझे माफ़ करें?"

"बेशक, हम तुम्हें माफ़ करते हैं," भेड़ ने कहा. "दोस्त इसीलिए होते हैं."

"आप लोगों ने बिल्कुल सही कहा," छोटे गधे ने कहा. "और अब से मैं आप सभी का एक अच्छा दोस्त हूं - हर समय."

छोटे गधे ने नरम पुआल पर अपना सिर रखा. फिर वो चैन से सो गया. कल वो अपने दोस्तों के साथ क्या मस्ती करेगा वो उसके बारे में सोच रहा था.

गधे, सिलेटी या भूरे रंग के लगभग किसी भी शेड के हो सकते हैं. उनके सिर बड़े, लंबे कान और उनकी पीठ पर एक गहरे रंग की पट्टी होती है.

गधे, अफ्रीका और एशिया के मूल निवासी हैं, लेकिन वे अब दुनिया भर में सूखे क्षेत्रों में पाए जाते हैं.

घोड़ों की तरह, गधे ताज़ी घास, और जई और चने खाते हैं, लेकिन वे सूखी घास और कंटीले पौधे भी खाते हैं.

गधे और खच्चर अक्सर बेहद जिद्दी होते हैं! (खच्चर, एक गधे और एक घोड़े की संतान होता है.)

गधे बहुत चालाक होते हैं और उनकी बहुत अच्छी याददाश्त होती है. वे आसानी से उन रास्तों को पहचान सकते हैं जिन्हें उन्होंने पहले कभी तय किया था.

मादा गधे को "जेनी" कहा जाता है, और नर गधे को "जैक" कहा जाता है. छोटे गधों को "बुर्रो" कहा जाता है.

समाप्त